3

शब्द-विचार
(Morphology)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

बस

भेड़िया

खरबूजा

बच्चो! ऊपर दिए गए चित्रों के नाम – बस, भेड़िया, खरबूजा पढ़ने से उनका अर्थ समझ में आ रहा है। ये शब्द हैं। ये निम्नलिखित ध्वनियों (वर्णों) से मिलकर बने हैं–

बस	=	ब् + अ + स् + अ
भेड़िया	=	भ् + ए + ड़् + इ + य् + आ
खरबूजा	=	ख् + अ + र् + अ + ब् + ऊ + ज् + आ

उपर्युक्त सभी सार्थक शब्द-समूह हैं। यदि हम इन वर्णों को इधर-उधर कर दें, तो इनका अर्थ स्पष्ट नहीं होगा। अतः वर्णों के सही योग से शब्द बनते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

शब्दों के भेद

हिंदी भाषा के शब्दों को तीन आधारों पर बाँटा गया है–

1. उत्पत्ति के आधार पर 2. बनावट के आधार पर 3. प्रयोग के आधार पर

1. उत्पत्ति के आधार पर – उत्पत्ति के आधार पर शब्द के निम्नलिखित चार भेद हैं–

(क) तत्सम शब्द (ख) तद्भव शब्द (ग) देशज शब्द (घ) विदेशी शब्द

क. तत्सम शब्द – संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिंदी में ज्यों-के-त्यों अर्थात् बिना किसी परिवर्तन के प्रयोग किए जाते हैं; जैसे– कर्ण, दधि, दुग्ध आदि।

ख. तद्भव शब्द – संस्कृत भाषा के वे शब्द जो कुछ बदले हुए रूप में हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं; जैसे– कान, दही, दूध आदि।

कुछ तत्सम और तद्भव शब्द निम्न प्रकार हैं–

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
सूर्य	सूरज	दंत	दाँत	मयूर	मोर
स्वर्ण	सोना	मुख	मुँह	घृत	घी
दधि	दही	घोटक	घोड़ा	कर्ण	कान
हस्त	हाथ	सर्प	साँप	सत्य	सच
ग्राम	गाँव	आम्र	आम	अग्नि	आग
रात्रि	रात	दुग्ध	दूध	चंद्र	चाँद

ग. देशज शब्द – 'देशज' का अर्थ है– 'देश में उत्पन्न'। कुछ शब्द ऐसे हैं जो देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों की आम बोलचाल की भाषाओं से हिंदी में आ गए हैं, देशज शब्द कहलाते हैं; जैसे– कुटिया, डिबिया, थैला, पगड़ी आदि।

घ. विदेशी शब्द – जो शब्द दूसरे देशों की भाषाओं से आकर हिंदी भाषा में घुल-मिल गए हैं, विदेशी शब्द कहलाते हैं, जैसे– डॉक्टर, रूमाल, अलमारी आदि।

2. बनावट के आधार पर – बनावट के आधार पर शब्द तीन प्रकार के हैं–

(क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द (ग) योगरूढ़ शब्द

क. रूढ़ शब्द – जिन शब्दों के टुकड़े नहीं किए जा सकते, रूढ़ शब्द कहलाते हैं; जैसे– घर, बस, कार, नाव, दाल आदि।

ख. यौगिक शब्द – कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो दो सार्थक शब्दों से मिलकर बने हैं; जिनके सभी टुकड़ों के अर्थ होते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं; जैसे– पाठशाला, रेलगाड़ी, रसोईघर, नीलकमल आदि।

ग. यौगिक शब्द – जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं और किसी विशेष अर्थ में रूढ़ हो जाते हैं अर्थात् विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं; जैसे–

दशानन = दश (दस) + आनन (मुख) = दस आनन वाला अर्थात् रावण

पंकज = पंक (कीचड़) + ज (जन्म) = कीचड़ में जन्म लेने वाला अर्थात् कमल

3. प्रयोग के आधार पर – प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद हैं–

(क) विकारी शब्द (ख) अविकारी शब्द

क. विकारी शब्द – जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक, काल या पुरुष के कारण परिवर्तन या विकार आ जाता है, विकारी शब्द कहलाते है; जैसे–

1. लड़का खेल रहा है। → लड़के खेल रहे हैं।
2. लड़की पढ़ती है। → लड़कियाँ पढ़ती हैं।

विकारी शब्द भी चार प्रकार के होते हैं–

1. संज्ञा 2. सर्वनाम 3. विशेषण 4. क्रिया

ख. अविकारी शब्द – जिन शब्दों में लिंग, वचन, पुरुष, कारक या काल के कारण कोई परिवर्तन नहीं आता, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं; इन्हें अव्यय भी कहते हैं; जैसे– तथा, और, लेकिन, कल, आज, हाय!, तुरंत, धीरे-धीरे आदि।

अविकारी शब्द भी चार प्रकार के हैं–

1. क्रियाविशेषण 2. संबंधबोधक, 3. समुच्चयबोधक, 4. विस्मयादिबोधक

आओ दोहराएँ

- वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
- उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद हैं– तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द तथा विदेशी शब्द।
- बनावट के आधार पर शब्द के तीन भेद हैं– रूढ़ शब्द, यौगिक शब्द तथा योगरूढ़ शब्द।
- प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद हैं– विकारी शब्द तथा अविकारी शब्द।
- विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया।
- अविकारी शब्द भी चार प्रकार के हैं– क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक।
- अविकारी शब्दों को अव्यय भी कहते हैं।

अब बताइए

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. वर्णों के सार्थक समूह को कहते हैं–
   (i) शब्द ☐ (ii) लिपि ☐ (iii) भाषा ☐
2. शब्दों को कितने आधारों पर बाँटा गया है?
   (i) दो ☐ (ii) तीन ☐ (iii) चार ☐
3. संस्कृत के शब्द कहलाते हैं–
   (i) देशज ☐ (iii) तद्भव ☐ (iii) तत्सम ☐

4. आम बोलचाल की भाषा से आए शब्द कहलाते हैं–

(i) देशज ☐ (ii) विदेशी ☐ (iii) अविकारी ☐

5. इनमें विकारी शब्द है–

(i) क्रियाविशेषण ☐ (ii) क्रिया ☐ (iii) समुच्चयबोधक ☐

(ख) निम्नलिखित के तद्भव रूप लिखिए–

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
मयूर	.....	दधि	.....
घृत	.....	सूर्य	.....
दंत	.....	कर्ण	.....

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए–

सच, अलमारी, आम्र, ग्राम, वकील, हाथ, पगड़ी, घोटक, रूमाल, डॉक्टर, स्कूल, बिटिया

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(घ) निम्नलिखित शब्दों को मिलाकर यौगिक शब्द बनाइए–

1. रसोई + घर .....
2. पाठ + शाला .....
3. धर्म + शाला .....
4. राष्ट्र + पति .....

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. शब्द किसे कहते हैं? इनका वर्गीकरण लिखिए।
2. तत्सम तथा तद्भव शब्दों में उदाहरण सहित अंतर लिखिए।
3. यौगिक शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
4. विकारी तथा अविकारी शब्दों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(च) दी गई वर्ग पहेली से तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द छाँटकर लिखिए–

कृ	द	धि	ख	त
षि	स	का	खे	त
त	र्प	र	घ	र
ब	न	दु	प	ना
आ	म्र	ग्ध	क्षी	क

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द	विदेशी शब्द
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....